पाठ 3

बादल किसके काका

32CUIE

अभी–अभी थी धूप, बरसने लगा कहाँ से यह पानी,
किसने फोड़ घड़े बादल के, की है इतनी शैतानी।
सूरज ने क्यों बंद कर लिया, अपने घर का दरवाजा,
उसकी माँ ने भी क्या उसको, बुला लिया कहकर 'आ जा'।
जोर–जोर से गरज रहे हैं, बादल हैं किसके काका,
किसको डाँट रहे हैं, किसने कहना नहीं सुना माँ का ?

– सुभद्रा कुमारी चौहान

अभ्यास

1. उत्तर लिखो–

   क. कविता में किस मौसम का वर्णन किया गया है ?

   ख. सूरज क्यों नहीं दिखाई दे रहा है ?

2. बताओ, बारिश में–

   - तुम क्या–क्या करते हो ?
   - तुम्हें क्या–क्या करने से मना किया जाता है ?
   - क्यों मना किया जाता है?

3. एक दिन बादलों ने बैठक की। कुछ बादल बोले– जब हम खूब बरसते हैं तब लोग चिल्लाते हैं, जब नहीं बरसते तब भी। क्यों न हम बरसना ही बंद कर दें। बिल्कुल सही, बरसना बंद आज से ही– सारे बादल बोले। सोचो और बताओ– इसके बाद क्या–क्या हुआ होगा ?

4. सूरज को 'दिनकर' भी कहते हैं। पता करो इनको और क्या–क्या कहते हैं–

   पानी .... बादल ....

5. इसे भी पढ़ो–

अम्मा जरा देख तो ऊपर, चले आ रहे हैं बादल,
गरज रहे हैं, बरस रहे हैं, दीख रहा है जल ही जल।
हवा चल रही क्या पुरवाई, झूम रही डाली–डाली,
ऊपर काली घटा घिरी है, नीचे फैली हरियाली।
भीग रहे हैं खेत, बाग, वन, भीग रहे हैं घर, आँगन,
बाहर निकलूँ मैं भी भीगूँ, चाह रहा है मेरा मन।

❀ बच्चों को अन्य ऋतुओं से संबंधित कविताएँ सुनाएँ। पर्यायवाची शब्दों की जानकारी दें।